i-NEXT PAGE 3

एमए भूगोल में अब मिलेगा छह नए पेपर पढ़ने का विकल्प

LUCKNOW (14 Jan) : लखनऊ विश्वविद्यालय भूगोल विभाग परास्नातक में अपने परंपरागत विषय के साथ-साथ रोजगार की दृष्टि से आगामी सत्र से वैकल्पिक पेपर के रूप में छह नए पेपर पढ़ने का भी मौका देगा. इनमें जियोइनफार्मेटिक्स, जाग्रफी आफ रूरल डेवलपमेंट, इंटीग्रेटेड वाटरशेड मैनेजमेंट, टूरिज्म जाग्रफी, मेडिकल जाग्रफी और मिलिट्री एंड सिक्यूरिटी जाग्रफी पेपर को शामिल किया गया है. छात्र-छात्राओं को एक और दो वर्षीय परास्नातक पाठ्यक्रम में इनमें से किसी एक का चयन करना होगा. बोर्ड आफ स्टडीज में इस पाठ्यक्रम को हरी झंडी मिल चुकी है. कला संकाय की फैकल्टी बोर्ड और एकेडमिक काउंसिल से मंजूरी के बाद इसे लागू किया जाएगा.

एलयू के भूगोल विभाग ने एक और दो वर्षीय कोर्स में शामिल किए पेपर

एनईपी के तहत चेंज

एलयू में एनईपी के तहत तैयार किए गए एक और दो वर्षीय परास्नातक पाठ्यक्रम नए सत्र से लागू किया जाएगा. इसको लेकर सभी विभाग तैयारी में जुटे हैं. भूगोल विभाग ने भी अपनी तैयारी कर ली है. शिक्षकों के अनुसार एक साल के पीजी कोर्स के दूसरे और दो वर्षीय कोर्स के चौथे सेमेस्टर में नए पेपर शामिल करने से विद्यार्थियों में नवीन क्षेत्र की भी समझ विकसित होगी. साथ ही प्रतियोगी परीक्षाओं में सफल होने का उत्तम अवसर मिलेगा.

ये होंगे नए पेपर के फायदे

जियोइनफार्मेटिक्स पेपर के अध्ययन से विद्यार्थियों को भौगोलिक सूचनाओं की जानकारी सूक्ष्म स्तर की मिलेगी, जो तथ्यों के भौगोलिक विश्लेषण में अधिकार कारगर व प्रभावशाली सिद्ध होगा. ज्योग्राफी आफ रूरल डेवलपमेंट पेपर से विद्यार्थी ग्रामीण क्षेत्रों को विकसित करने और उनसे संबंधित समस्या समाधान के बारे में सीखेंगे. इंटीग्रेटेड वाटरशेड मैनेजमेंट पेपर में पानी के महत्व व उसके प्रबंधन की समझ विकसित करने में सहायक होगा.

मेडिकल जाग्रफी भी जानेंगे

टूरिज्म जाग्रफी विभिन्न प्रकार के भौगोलिक, ऐतिहासिक, धार्मिक व धरोहर स्थलों के पर्यटन के बारे में जानकारी देगा. साथ ही उनके सतत विकास का आगे बढ़ने का कार्य करेगा. मेडिकल जाग्रफी स्वास्थ्य की समझ एवं देखभाल की व्यवहारिक समझ को विकसित करेगा. सैन्य भूगोल से छात्रों में देश से संबंधित विभिन्न प्रकार की रणनीति, सीमाओं की सुरक्षा की व्यावहारिक जानकारी और आंतरिक सुरक्षा संबंधी तकनीकी एवं व्यवहारिक पहलुओं को जानने का अवसर मिलेगा साथ ही अंतरराष्ट्रीय संबंधों की भी जानकारी विकसित होगी.

AMAR UJALA MY CITY PAGE 7

लखनऊ व ताजिक विवि से एक साथ लें दो डिग्री

ताजिकिस्तान पहुंचकर लविवि के कुलपति ने एमओयू पर किए हस्ताक्षर

संवाद न्यूज एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय ने ताजिक राष्ट्रीय विश्वविद्यालय छात्र-छात्राओं के लिए डुअल और ज्वाइंट डिग्री प्रोग्राम शुरू करेंगे, जिससे दोनों विश्वविद्यालय के विद्यार्थी आपस में शिक्षा हासिल कर पाएंगे।

ताजिकिस्तान की राजधानी दुशांबे में मंगलवार को लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय और ताजिक राष्ट्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति राजाबजोदा फरीदुन ने एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए। इस मौके पर वहां के अंतरराष्ट्रीय मामलों के जानकार उपकुलपति गफफोरजोदा इलियोस और ताजिक विश्वविद्यालय के विज्ञान के उपकुलपति सफरमहमद जोदा सफरमहमद मौजूद रहे।

प्रवक्ता प्रो. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि दोनों पक्षों ने ज्वाइंट और डुअल डिग्री कार्यक्रमों की संभावनाओं पर विमर्श किया, जबकि कृत्रिम बुद्धिमत्ता, मशीन लर्निंग, फॉर्मा सुरक्षा, फॉर्मेसी और प्रौद्योगिकी, सांस्कृतिक शब्दावली निर्माण के क्षेत्रों में आपसी ज्ञान संचार पर चर्चा कर सहयोग के विविध प्रारूपों को आगे बढ़ाने पर जोर दिया। प्रतिनिधिमंडल में प्रो. गीतांजलि मिश्रा, प्रो. केया पांडेय, प्रो. आरपी सिंह, प्रो. अवधेश त्रिपाठी शामिल हैं।

ताजिक विवि में एमओयू करते कुलपति प्रोफेसर आलोक राय। - स्रोत- विभाग

लविवि की छात्रा के शोध पर लंदन में पुस्तक प्रकाशित

लखनऊ। लखनऊ विवि के समाजशास्त्र विभाग की छात्रा रहीं सुप्रिया सिंह के शोधकार्य को कैंब्रिज स्कॉलर्स पब्लिशिंग, यूनाइटेड किंगडम (लंदन) ने पुस्तक के रूप में प्रकाशित किया है। सुप्रिया ने यह शोध भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएसएसआर) से मिली फेलोशिप की मदद से पूरा किया है। शोधकार्य में ग्रामीण भारत में बढ़ती बहुआयामी असमानताओं का विस्तृत मूल्यांकन है। प्रवक्ता प्रो. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि डॉ. सुप्रिया सिंह ने लविवि के प्रो. डीआर साहू के साथ पोस्ट डॉक्टरेट शोध कार्य पूरा किया है। यह विभाग का पहला पोस्ट डॉक्टरेट शोध है, जिसे किसी अंतरराष्ट्रीय प्रकाशन ने प्रकाशित किया है। डॉ. सुप्रिया अभी खुन-खुन जी गर्ल्स पीजी कॉलेज में असिस्टेंट प्रोफेसर हैं। (संवाद)

HINDUSTAN PAGE 7

डॉ. सुप्रिया का शोध कैम्ब्रिज स्कॉलर्स में प्रकाशित

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के समाजशास्त्र विभाग की छात्रा रही सुप्रिया सिंह के शोध कार्य को एक पुस्तक के रूप में कैम्ब्रिज स्कॉलर्स पब्लिशिंग, यूनाइटेड किंगडम ने प्रकाशित किया है। छात्रा ने यह शोध आईसीएसएसआर से मिली फेलोशिप की सहायता से पूरा किया है। शोध में ग्रामीण भारत में सामाजिक असमानताओं के उभरते स्वरूप और प्रकृति का मूल्यांकन है।

एलयू, तजाक विवि संग डुअल डिग्री देगा

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय और तजाकिस्तान राष्ट्रीय विविआने वाले समय में एआई, मशीन लर्निंग, फार्मा, सुरक्षा, फार्मेसी, टेक्नोलॉजी, सांस्कृतिक शब्दावली निर्माण के क्षेत्रों में एक साथ कार्य करेंगे। साथ ही दोनों देशों के शिक्षण संस्थान छात्र-छात्राओं के लिए डुअल और ज्वाइंट डिग्री प्रोग्राम भी शुरू करेंगे। जिससे एलयू और तजाक विश्वविद्यालय के विद्यार्थी आपस में शिक्षा हासिल कर पाएंगे। इसके मद्देनजर ताजाकिस्तान की राजधानी दुशांबे में लखनऊ विवि के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय और ताजिक राष्ट्रीय विवि के कुलपति ने एमओयू पर हस्ताक्षर किया।

JAGRAN CITY PAGE III

एमए भूगोल में मिलेगा छह नए पेपर पढ़ने का विकल्प

जासं ● लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय भूगोल विभाग परास्नातक में अपने परंपरागत विषय के साथ-साथ रोजगार की दृष्टि से आगामी सत्र से वैकल्पिक पेपर के रूप में छह नए पेपर पढ़ने का भी मौका देगा। इनमें जियोइनफार्मेटिक्स, जाग्रफी आफ रूरल डेवलपमेंट, इंटीग्रेटेड वाटरशेड मैनेजमेंट, टूरिज्म जाग्रफी, मेडिकल जाग्रफी और मिलिट्री एंड सिक्यूरिटी जाग्रफी पेपर को शामिल किया गया है। छात्र-छात्राओं को एक और दो वर्षीय परास्नातक पाठ्यक्रम में इनमें से किसी एक का चयन करना होगा। बोर्ड आफ स्टडीज में इस पाठ्यक्रम को हरी झंडी मिल चुकी है। कला संकाय की फैकल्टी बोर्ड और एकेडमिक काउंसिल से मंजूरी के बाद इसे लागू किया जाएगा।

लविवि में एनईपी के तहत तैयार किए गए एक और दो वर्षीय परास्नातक पाठ्यक्रम नए सत्र से लागू किया जाएगा। इसको लेकर सभी विभाग तैयारी में जुटे हैं। भूगोल विभाग ने भी अपनी तैयारी कर ली है। शिक्षकों के अनुसार एक साल के पीजी कोर्स के दूसरे और दो वर्षीय कोर्स के चौथे सेमेस्टर में नए पेपर शामिल करने से विद्यार्थियों में नवीन क्षेत्र की भी समझ विकसित होगी। साथ ही प्रतियोगी परीक्षाओं में सफल होने का उत्तम अवसर मिलेगा।

ये हैं नए पेपर के फायदे: जियोइनफार्मेटिक्स पेपर के अध्ययन से विद्यार्थियों को भौगोलिक सूचनाओं की जानकारी सूक्ष्म स्तर की मिलेगी, जो तथ्यों के भौगोलिक विश्लेषण में अधिकार कारगर व प्रभावशाली सिद्ध होगा। ज्योग्राफी आफ रूरल डेवलपमेंट पेपर से विद्यार्थी ग्रामीण क्षेत्रों को विकसित करने और उनसे संबंधित समस्या समाधान के बारे में सीखेंगे। इंटीग्रेटेड वाटरशेड मैनेजमेंट पेपर में पानी के महत्व व उसके प्रबंधन की समझ विकसित करने में सहायक होगा।

मेडिकल जाग्रफी भी जानेंगे : टूरिज्म जाग्रफी विभिन्न प्रकार के भौगोलिक, ऐतिहासिक, धार्मिक व धरोहर स्थलों के पर्यटन के बारे में जानकारी देगा।

लखनऊ विश्वविद्यालय और ताजिक राष्ट्रीय विश्वविद्यालय के बीच एमओयू

ताजिकिस्तान राष्ट्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति राजाबजोदा फरीदुन और लविवि के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने एमओयू पर हस्ताक्षर किए ● लविवि

कृत्रिम बुद्धिमत्ता, मशीन लर्निंग, फार्मा सुरक्षा, फार्मेसी और प्रौद्योगिकी, सांस्कृतिक शब्दावली निर्माण के क्षेत्रों में आपसी ज्ञान संचार पर चर्चा की गई। सहयोग के विविध प्रारूपों पर मंथन भी हुआ। ताजिक भागीदारों ने लखनऊ विश्वविद्यालय की वैश्विक उपस्थिति की सराहना कर निष्कर्ष निकाला कि वर्तमान समय में उदार अंतरराष्ट्रीय संबंध बहुत महत्वपूर्ण हैं। प्रतिनिधिमंडल यात्रा के दौरान विभिन्न अधिकारियों, शैक्षणिक संस्थानों और अन्य शैक्षिक हितधारकों से मुलाकात कर रहा है। लविवि के कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय ने बताया कि नए क्षेत्रों में सहयोग के लिए शीघ्र ही कार्यबल का गठन किया जाएगा।

TOI PAGE 4

LU, Tajik Univ join hands to share info on lexicography

Anjanaya Singh | TNN

Lucknow: Lucknow University signed a memorandum of understanding (MoU) with Tajik National University at Dushanbe, the capital of Tajikistan on Tuesday.

The agreement aims to open new doors of knowledge cooperation between the two prestigious institutions. "We intend to work on creating joint and dual degree programs, with potential collaborations in areas such as artificial intelligence, machine learning, pharmaceutical safety, pharmacy and technology, and lexicography," said LU VC Alok Kumar Rai.

The Tajik side was represented by Rajabzoda Faridun, first vice rector of Tajik National University; Gafforzoda Ilyos, vice rector of International Affairs, and Safarmahmadzoda Safarmahmad, vice rector of Science.

"This collaboration between the Lucknow University and Tajik National University symbolizes a shared commitment to advancing knowledge across borders. By combining our strengths in emerging fields like artificial intelligence, pharmacy, and lexicography, we aim to create transformative opportunities for our students and faculty, fostering a truly global academic community," said Rai.

Tajik representatives commended the global reputation of LU and emphasized the importance of fostering open international relations to address contemporary global challenges.

LU VC AK Rai with Rajabzoda Faridun of Tajik University

THE PIONEER PAGE 3

Varsity delegation meets alumni in Tajikistan

PNS ■ LUCKNOW

A delegation from the University of Lucknow, led by Vice-Chancellor Prof Alok Kumar Rai, met LU alumni in Tajikistan on Tuesday.

The vice-chancellor announced the establishment of the Tajikistan Chapter of the Lucknow University Alumni Association. The alumni warmly welcomed the delegation.

Addressing the gathering, Prof Alok Kumar Rai said, "The Tajikistan Chapter of the Lucknow University Alumni Association will provide an important platform for our former students, where they can share their experiences and connect with one another."

On the occasion, the appointment of Khodjaev Iskander as the president of the Tajikistan Chapter was announced.

The prominent LU alumni who participated were Latifov Alikhon, who graduated from the Department of Languages in 2009; Nazarov Khayom, who graduated from the Department of Political Science in 2021; Hakimov Bakhtiyor, who graduated from the Department of English in 2021; Davlatshoeva Nordona, who graduated from the Department of Journalism in 2021; Khodjaev Iskander, who graduated from the Department of Political Science in 2022; and Omina Sidykova, who completed her Masters in the Department of Politics in 2010.

Professor Alok Kumar Rai said, "It was a pleasure to meet the alumni of Lucknow University. We are proud of the achievements of our alumni and are committed to strengthening our ties with them."

MoU SIGNED

Meanwhile, a memorandum of understanding (MoU) was signed between the University of Lucknow and Tajik National University in Dushanbe, the capital of Tajikistan.

On behalf of LU, Rai signed the contract. From the Tajik side, the first Vice Rector of Tajikistan National University, Rajabzoda Faridun; Gafforzoda Ilyos, the Vice Rector for International Affairs, Tajik National University; and Safarmahmadzoda Safarmahmad, the Vice Rector for Science, Tajik National University, signed the MoU.

Both parties discussed the prospects of joint and dual degree programmes. Other areas of discussion included artificial intelligence, machine learning, pharmaceutical safety, pharmacy and technology, and lexicography.

The Tajik partners appreciated the global presence of the University of Lucknow and noted that open-door international relations are crucial in the present times.

एलयू और ताजिक यूनिवर्सिटी में एमओयू

शिक्षा और सहयोग के क्षेत्र में एक अहम कदम बढ़ाते हुए ताजिकिस्तान की राजधानी दुशांबे में लखनऊ यूनिवर्सिटी और ताजिक नेशनल यूनिवर्सिटी के बीच एमओयू पर साइन किए गए. एमओयू पर एलयू की तरफ से वीसी प्रो. आलोक कुमार राय और ताजिक नेशनल यूनिवर्सिटी की तरफ से वीसी राजाबजोदा फरीदुन, ताजिक विवि के इंटरनेशनल अफेयर्स मामलों के उपकुलपति गफफोरजोदा इलियोस और ताजिक विवि के साइंस उपकुलपति सफरमहमदजोदा ने साइन किए. इसके साथ ही दोनों पक्षों में ज्वाइंट और डुअल डिग्री प्रोग्राम्स को लेकर भी बातचीत हुई. एलयू के वीसी प्रो. आलोक कुमार राय ने बताया कि नए क्षेत्रों में सहयोग के लिए जल्द ही कार्यबल का गठन किया जाएगा.

PIONEER PAGE 3

लखनऊ विश्वविद्यालय की पूर्व छात्रा डॉ. सुप्रिया सिंह का पोस्ट डॉक्टोरल कार्य लंदन से पुस्तक के रूप में प्रकाशित

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

लखनऊ विश्वविद्यालय के समाजशास्त्र विभाग की पूर्व छात्रा डॉ. सुप्रिया सिंह का पोस्ट डॉक्टोरल कार्य लंदन से पुस्तक के रूप में प्रकाशित हुआ है। पुस्तक ग्रामीण भारत में सामाजिक असमानताओं के उभरते स्वरूप और प्रकृति उनके पोस्ट डॉक्टरल शोध कार्य पर आधारित है, यह शोध कार्य भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद द्वारा प्राप्त फ़ेलोशिप से पूर्ण किया गया है। सुप्रिया सिंह का शोध कार्य एक पुस्तक के रूप में कैम्ब्रिज स्कॉलर्स पब्लिशिंग, यूनाइटेड किंगडम (लंदन) द्वारा प्रकाशित किया गया है।

यह पुस्तक समकालीन ग्रामीण भारत में लगातार बढ़ती बहुआयामी असमानताओं का विस्तृत मूल्यांकन है, जो सामाजिक असमानताओं की प्रकृति और गतिशीलता को स्पष्ट करती है। यह सूक्ष्म ग्रामीण स्तर पर आर्थिक, राजनीतिक और सामाजिक असमानताओं की मौजूदा प्रकृति, रूपों और आयामों की व्याख्या करती है। यह पुस्तक ग्रामीण भारत के असमान पहलुओं को उजागर करने के उद्देश्य से सूक्ष्म स्तर पर बढ़ती हुई असमानता को भारतीय समाज में वृहद स्तर पर व्याप्त असमानता से तुलना करती है। पुस्तक इस बात पर प्रकाश डालती है कि ग्रामीण समाज में असमानता न केवल व्याप्त है, बल्कि इसे कई संरचनात्मक कारकों द्वारा मजबूत किया जा रहा है। असमानता के तीनों आयाम, अर्थात् जाति, वर्ग और शक्ति, अलग-अलग नहीं हैं, बल्कि वे आपस में जुड़े हुए हैं। जहां तक ग्रामीण भारत का सवाल है, असमानता के कई पहलू वहां देखने को मिलते हैं। डॉ. सुप्रिया सिंह वर्तमान में खुन-खुन जी गर्ल्स पी.जी. कॉलेज, लखनऊ में असिस्टेंट प्रोफेसर के पद पर कार्यरत हैं।

एलयू और ताजिक राष्ट्रीय विश्वविद्यालय के बीच एमओयू

लखनऊ। ताजिकिस्तान की राजधानी दुशांबे में लखनऊ विश्वविद्यालय और ताजिक राष्ट्रीय विश्वविद्यालय के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए हैं। लखनऊ विश्वविद्यालय की ओर से कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय ने अनुबंध पर हस्ताक्षर किए। वहीं ताजिक पक्ष की ओर से ताजिकिस्तान राष्ट्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति राजाबजोदा फरीदुन, ताजिक राष्ट्रीय विश्वविद्यालय के अंतर्राष्ट्रीय मामलों के उपकुलपति गफफोरजोदा इलियोस और ताजिक राष्ट्रीय विश्वविद्यालय के विज्ञान के उपकुलपति सफरमहमद जोदा ने समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। दोनों पक्षों ने ज्वाइंट और डुअल डिग्री कार्यक्रमों की संभावनाओं पर विचार-विमर्श किया।

VOICE OF LUCKNOW PAGE 6

लविवि और ताजिक राष्ट्रीय विवि ज्ञान सहयोग के नए आयाम खोलेंगे

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। ताजिकिस्तान की राजधानी दुशांबे में लखनऊ विश्वविद्यालय और ताजिक राष्ट्रीय विश्वविद्यालय के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

लखनऊ विश्वविद्यालय की ओर से लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने अनुबंध पर हस्ताक्षर किये। वहीं, ताजिक पक्ष की ओर से ताजिकिस्तान राष्ट्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति राजाबजोदा फरीदुन, ताजिक राष्ट्रीय विश्वविद्यालय के अंतर्राष्ट्रीय मामलों के उपकुलपति गफफोरजोदा इलियोस और ताजिक राष्ट्रीय विश्वविद्यालय के विज्ञान के उपकुलपति सफरमहमदजोदा सफरमहमद ने समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। दोनों पक्षों ने ज्वाइंट और डुअल डिग्री कार्यक्रमों की संभावनाओं पर विचार-विमर्श किया। कृत्रिम बुद्धिमत्ता, मशीन लर्निंग, फार्मा सुरक्षा, फार्मेसी और प्रौद्योगिकी, सांस्कृतिक शब्दावली निर्माण के क्षेत्रों में आपसी ज्ञान संचार पर चर्चा की गयी और सहयोग के विविध प्रारूपों पर मंथन हुआ। ताजिक भागीदारों ने लखनऊ विश्वविद्यालय की वैश्विक उपस्थिति की सराहना की और निष्कर्ष निकाला कि वर्तमान समय में उदार अंतर्राष्ट्रीय संबंध बहुत महत्वपूर्ण हैं। प्रतिनिधिमंडल यात्रा के दौरान विभिन्न अधिकारियों, शैक्षणिक संस्थानों और अन्य शैक्षिक हितधारकों से मुलाकात कर रहा। लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने बताया नये क्षेत्रों में सहयोग के लिए शीघ्र ही कार्यबल का गठन किया जाएगा।

लविवि की पूर्व छात्रा डॉ. सुप्रिया का पोस्ट डॉक्टोरल कार्य लंदन से प्रकाशित

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। डॉ. सुप्रिया सिंह द्वारा लिखित पुस्तक ग्रामीण भारत में सामाजिक असमानताओं के उभरते स्वरूप और प्रकृति उनके पोस्ट डॉक्टरल शोध कार्य पर आधारित है, यह शोध कार्य भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद द्वारा प्राप्त फेलोशिप से पूर्ण किया गया है।

सुप्रिया सिंह का शोध कार्य एक पुस्तक के रूप में कैम्ब्रिज स्कॉलर्स पब्लिशिंग, यूनाइटेड किंगडम (लंदन) द्वारा प्रकाशित किया गया है। यह पुस्तक समकालीन ग्रामीण भारत में लगातार बढ़ती बहुआयामी असमानताओं का विस्तृत मूल्यांकन है, जो सामाजिक असमानताओं की प्रकृति और गतिशीलता को स्पष्ट करती है। यह सूक्ष्म ग्रामीण स्तर पर आर्थिक, राजनीतिक और सामाजिक असमानताओं की मौजूदा प्रकृति, रूपों और आयामों की व्याख्या करती है। यह पुस्तक समकालीन ग्रामीण भारत में लगातार बढ़ती बहुआयामी असमानताओं का विस्तृत मूल्यांकन है, जो सामाजिक असमानताओं की प्रकृति और गतिशीलता को स्पष्ट करती है। यह सूक्ष्म ग्रामीण स्तर पर आर्थिक, राजनीतिक और सामाजिक असमानताओं की मौजूदा प्रकृति, रूपों और आयामों की व्याख्या करती है। कुल मिलाकर, पुस्तक जमीनी स्तर पर व्याप्त असमानता की गहरी समझ प्रदान करती है। इस पुस्तक की प्रासंगिकता इसलिए और अधिक बढ़ जाती है क्योंकि यह भारत के एक पिछड़े प्रांत के एक ऐसे जिले में असमानता के पहलुओं का मूल्यांकन करती है जो आर्थिक रूप से अविकसित है। यह उत्तर प्रदेश के उन्नाव जिले के बीघापुर ब्लॉक के दो गांवों का अध्ययन है, जो सामाजिक और आर्थिक मापदंडों के लिहाज से उत्तर प्रदेश के पिछड़े जिलों में आता है। समकालीन भारत में असमानता की बारीकियों को समझने में रुचि रखने वाले शोधकर्ताओं, पाठकों और नीति निर्माताओं के लिए यह पुस्तक महत्वपूर्ण साबित होगी। डॉ. सुप्रिया सिंह ने लखनऊ विश्वविद्यालय के समाजशास्त्र विभाग के प्रो. डीआर साहू के साथ अपना पोस्ट-डॉक्टरेट शोध कार्य पूरा किया है। यह विभाग का पहला पोस्ट डॉक्टरेट शोध है जिसे किसी अंतर्राष्ट्रीय प्रकाशन ने प्रकाशित किया है। डॉ. सुप्रिया सिंह वर्तमान में खुन-खुन जी गर्ल्स पीजी कॉलेज में असिस्टेंट प्रोफेसर के पद पर कार्यरत हैं। उन्होंने पहले इलाहाबाद विश्वविद्यालय में ग्लोबलाइजेशन एंड डेवलपमेंट स्टडीज विभाग में काम किया है। वह इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू) में एकेडेमिक कॉउंसलर हैं। साथ ही कैम्ब्रिज स्कॉलर्स प्रेस, वूके की संपादकीय सलाहकार बोर्ड की सदस्य भी हैं। उनकी रुचि के क्षेत्रों में विकास, स्तरीकरण और गतिशीलता, किसानों की समस्याएं, भूमि लेनदेन, सामाजिक असमानता और भारतीय गांवों में लैंगिक मुद्दे शामिल हैं।

AMRIT VICHAR PAGE 4

लविवि देगा ताजिकिस्तान के उच्च शिक्षा संस्थानों को गुरुमंत्र

ताजिकिस्तान में ताजिक राष्ट्रीय विवि के शिक्षकों के साथ लविवि के शिक्षक।

ताजिकिस्तान विवि से फार्मा, फार्मेसी, एआई समेत मशीन लर्निंग पर हुआ समझौता

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: लखनऊ विश्वविद्यालय ताजिकिस्तान की उच्च शिक्षा को वैश्विक आवश्यकताओं के समकक्ष खड़ा करने में महत्वपूर्ण भूमिका करने जा रहा है। प्रधानमंत्री मोदी की ताजिकिस्तान यात्रा के बाद ताजिक सरकार के आमंत्रण पर लविवि का छह सदस्यीय दल वहां गया है। दल में शामिल कुलपति डॉ. आलोक राय, डॉ. आरपी सिंह, डॉ. गीतांजली मिश्रा, डॉ. केया पाण्डेय व डॉ. भूपेंद्र सिंह ताजिक शिक्षा के अध्ययन के साथ भारत-ताजिकिस्तान सांस्कृतिक संबंध के लिए सेतु की संभावनाएं भी तलाश रहे हैं।

इस समय दो दर्जन ताजिक छात्र लखनऊ विश्वविद्यालय में अध्ययनरत हैं। विश्वविद्यालय और ताजिक राष्ट्रीय विश्वविद्यालय मिलकर ज्ञान के आदान प्रदान के साथ ही सहयोग के नए आयाम खोलने की दिशा में कार्य कर रहे हैं। राजधानी दुशांबे में लखनऊ विश्वविद्यालय और ताजिक राष्ट्रीय विश्वविद्यालय के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय और ताजिकिस्तान राष्ट्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति राजाबजोदा फरीदुन, ताजिक राष्ट्रीय विश्वविद्यालय के अंतर्राष्ट्रीय मामलों के उपकुलपति गफ्फोरजोदा इलियोस और ताजिक राष्ट्रीय विश्वविद्यालय के विज्ञान के उपकुलपति सफरमहमदजोदा ने हस्ताक्षर किए हैं।

समझौते का प्रभाव दूरगामी होगा

कुलपति डॉ. आलोक कुमार राय ने कहा कि पूर्व छात्रों को भी एकमंच पर लाया गया है। लखनऊ विश्वविद्यालय अलुमनाई एसोसिएशन का ताजिकिस्तान चैप्टर हमारे अलुमनाई के लिए एक महत्वपूर्ण मंच प्रदान करेगा। लविवि और ताजिकिस्तान शिक्षा के विनिमय का समझौता का प्रभाव दूरगामी होगा। अंग्रेजी विभाग के डॉ. आरपी सिंह ने कहा कि लविवि और ताजिकिस्तान उच्च शिक्षा के बीच सांस्कृतिक और अकादमिक विनिमय होगा, जिससे दोनों देशों के छात्रों का ज्ञानवर्धन होने के साथ आपसी सहयोग बेहतर होगा।

इन बिंदुओं पर हुआ समझौता

दोनों पक्षों ने ज्वाइंट और डुअल डिग्री कार्यक्रमों की संभावनाओं पर विचार-विमर्श किया। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मशीन लर्निंग, फार्मा सुरक्षा, फार्मेसी और प्रौद्योगिकी, सांस्कृतिक शब्दावली निर्माण के क्षेत्रों में चर्चा की गई और सहयोग पर मंथन हुआ। ताजिक शिक्षकों ने लखनऊ विश्वविद्यालय की वैश्विक भागीदारी और उदार अंतर्राष्ट्रीय संबंधों की सराहना की है। प्रतिनिधिमंडल ताजिक अधिकारियों, शैक्षणिक संस्थानों और अन्य शैक्षिक हितधारकों से मुलाकात कर रहा है।

कृषि पर निर्भर है ताजिकिस्तान

ताजिकिस्तान पूर्व सोवियत गणराज्यों में सबसे गरीब देश है। जिसका प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद 2020 में 874 अमेरिकी डॉलर होने का अनुमान है। 2019 में सकल घरेलू उत्पाद 8.117 बिलियन अमेरिकी डॉलर था, जिसमें से 20 प्रतिशत कृषि क्षेत्र से था।

LOKSATYA PAGE 2

एलयू की पूर्व छात्रा डॉ. सुप्रिया का पोस्ट डॉक्टोरल कार्य लंदन से प्रकाशित

भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद द्वारा प्राप्त फ़ेलोशिप से पूर्ण किया

लखनऊ, लोकसत्य। डॉ. सुप्रिया सिंह द्वारा लिखित पुस्तक "ग्रामीण भारत में सामाजिक असमानताओं के उभरते स्वरूप और प्रकृति" उनके पोस्ट डॉक्टरल शोध कार्य पर आधारित है, यह शोध कार्य भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद द्वारा प्राप्त फ़ेलोशिप से पूर्ण किया गया है। सुप्रिया सिंह का शोध कार्य एक पुस्तक के रूप में कैम्ब्रिज स्कॉलर्स पब्लिशिंग, यूनाइटेड किंगडम (लंदन) द्वारा प्रकाशित किया गया है। यह पुस्तक समकालीन ग्रामीण भारत में लगातार बढ़ती बहुआयामी असमानताओं का विस्तृत मूल्यांकन है, जो सामाजिक असमानताओं की प्रकृति और गतिशीलता को स्पष्ट करती है। यह सूक्ष्म ग्रामीण स्तर पर आर्थिक, राजनीतिक और सामाजिक असमानताओं की मौजूदा प्रकृति, रूपों और आयामों की व्याख्या करती है। डॉ. सुप्रिया सिंह ने लखनऊ विश्वविद्यालय के समाजशास्त्र विभाग के प्रो. डी. आर. साहू के साथ अपना पोस्ट डॉक्टरेट शोध कार्य पूरा किया है। यह विभाग का पहला पोस्ट डॉक्टरेट शोध है जिसे किसी अंतर्राष्ट्रीय प्रकाशन ने प्रकाशित किया है।

एलयू और ताजिक ज्ञान सहयोग के नए आयाम खोलेंगे

लखनऊ, लोकसत्य। ताजिकिस्तान की राजधानी दुशांबे में लखनऊ विश्वविद्यालय और ताजिक राष्ट्रीय विश्वविद्यालय के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। लखनऊ विश्वविद्यालय की ओर से लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय ने अनुबंध पर हस्ताक्षर किए वहीं ताजिक पक्ष की ओर से ताजिकिस्तान राष्ट्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति श्री राजाबजोदा फरीदुन, ताजिक राष्ट्रीय विश्वविद्यालय के अंतर्राष्ट्रीय मामलों के उपकुलपति श्री गफफोरजोदा इलियोस और ताजिक राष्ट्रीय विश्वविद्यालय के विज्ञान के उपकुलपति श्री सफरमहमदजोदा सफरमहमद ने समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

डॉ.सुप्रिया का पोस्ट डॉक्टोरल कार्य पुस्तक में प्रकाशित

स्वतंत्र भारत संवाददाता, लखनऊ। डॉ.सुप्रिया सिंह द्वारा लिखित पुस्तक ग्रामीण भारत में सामाजिक असमानताओं के उभरते स्वरूप और प्रकृति उनके पोस्ट डॉक्टरल शोध कार्य पर आधारित है, यह शोध कार्य भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद द्वारा प्राप्त फ़ेलोशिप से पूर्ण किया गया है। सुप्रिया सिंह का शोध कार्य एक पुस्तक के रूप में कैम्ब्रिज स्कॉलर्स पब्लिशिंग, यूनाइटेड किंगडम (लंदन) द्वारा प्रकाशित किया गया है। यह पुस्तक समकालीन ग्रामीण भारत में लगातार बढ़ती बहुआयामी असमानताओं का विस्तृत मूल्यांकन है, जो सामाजिक असमानताओं की प्रकृति और गतिशीलता को स्पष्ट करती है। यह सूक्ष्म ग्रामीण स्तर पर आर्थिक, राजनीतिक और सामाजिक असमानताओं की मौजूदा प्रकृति, रूपों और आयामों की व्याख्या करती है। यह पुस्तक ग्रामीण भारत के असमान पहलुओं को उजागर करने के उद्देश्य से सूक्ष्म स्तर पर बढ़ती हुई असमानता को भारतीय समाज में वृहद स्तर पर व्याप्त असमानता से तुलना करती है। डॉ.सुप्रिया सिंह ने लविवि के समाजशास्त्र विभाग के प्रो.डीआर साहू के साथ अपना पोस्ट डॉक्टरेट शोध कार्य पूरा किया है। यह विभाग का पहला पोस्ट डॉक्टरेट शोध है जिसे किसी अंतर्राष्ट्रीय प्रकाशन ने प्रकाशित किया है। डॉ.सुप्रिया स